Quarterly Newsletter

IMD NEWS

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
(Ministry of Earth Sciences)

Volume 15
APR-JUN 2022
Number 2

इस अंक में

महत्वपूर्ण घटनाएँ	p1
मौसम की विशेषताएं	p2-3
प्रेस विज्ञप्ति	p3
विशेष घटनाएँ	p4
कार्यशाला/बैठकें/वीसी	p5-7
व्याख्यान/प्रशिक्षण	p7-8
बुनियादी ढाँचा विकास एवं स्थापनाएँ	p9-10
राजभाषा अनुभाग/ अनुसंधान एवं प्रकाशन	p10-11
मीडिया इंटरेक्शन/ आगंतुक	p11-12

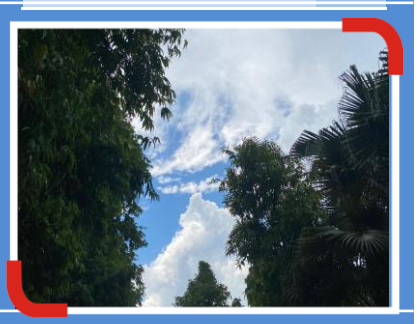

Published by

India Meteorological Department,
MausamBhawan, Lodi Road,
New Delhi - 110 003

Tel. : 011- 43824298
Telefax : 91-11-24699216 &
91-11- 24623220
https://mausamjournal.imd.gov.in/
email : mausamps@gmail.com

Edited by

Dr. S. D. Attri
Mr. Sunny Chug

Compiled by

Staff of Editorial Office

महत्वपूर्ण घटनाएँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के लिए काउंट डाउन इवेंट

27 मई, 2022 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के लिए उलटी गिनती कार्यक्रम आयोजित किया गया था। माननीय केंद्रीय मंत्री **डॉ. जितेंद्र सिंह** ने इस कार्यक्रम में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई और योग गतिविधियों का प्रदर्शन किया। उन्होंने लोगों को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से योग करने के लिए प्रोत्साहित किया। **डॉ. मृत्युंजय महापात्र**, महानिदेशक, आईएमडी, **डॉ. एस. डी. अत्री**, वैज्ञानिक, 'जी' और **डॉ. गोपाल अयंगर**, वैज्ञानिक, 'जी' पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और योग गतिविधियों का अभ्यास किया। इस कार्यक्रम में आईएमडी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के कई अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2022 की थीम "**मानवता के लिए योग**" थी।

डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय मंत्री, एमओईएस, डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी, डॉ. गोपाल आयंगर, वैज्ञानिक 'जी' डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' और एमओईएस और आईएमडी के अन्य अधिकारी योग का अभ्यास करते हुए

डब्ल्यूएमओ कार्यकारी परिषद की बैठक

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने जिनेवा, स्विट्जरलैंड में 20 से 24 जून 2022 के दौरान आयोजित "डब्ल्यूएमओ" की कार्यकारी परिषद (ईसी-75) के 75$^{वें}$ सत्र में भाग लिया।

WMO की कार्यकारी परिषद ने प्रमुख रणनीतिक प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रारंभिक चेतावनी सेवाएं अगले पांच वर्षों में सभी तक पहुंचे और ग्रीनहाउस गैस निगरानी प्रणाली स्थापित की जाए।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी "डब्ल्यूएमओ कार्यकारी परिषद की बैठक" के दौरान

संयुक्त हिंदी सलाहकार समिति

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की संयुक्त हिंदी सलाहकार समिति की 31$^{वीं}$ बैठक का आयोजन माननीय मंत्री महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 6 जून, 2022 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में किया गया। इस बैठक में **डॉ. मृत्युंजय महापात्र**, महानिदेशक महोदय ने सदस्य के रूप में भाग लिया। महानिदेशक महोदय द्वारा माननीय मंत्री महोदय तथा समिति के सभी सदस्यों का शॉल पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यालय से **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (रा.भा.), वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी तथा कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र बैठक के दौरान माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का स्वागत करते हुए

मौसम की महत्वपूर्ण विशेषताएं

अप्रैल 2022 माह की मुख्य विशेषताएं

उत्तर भारत में सक्रिय डब्ल्यूडी की अनुपस्थिति के कारण भारत के उत्तर-पश्चिम और मध्य भागों में बहुत कम वर्षा हुई और बहुत कम गरज आंधी के साथ बारिश हुई, जिससे बार-बार और लंबे समय तक गर्मी की लहर से लेकर गंभीर गर्मी के दिनों तक का दौर चला और अधिकांश क्षेत्रों में तापमान सामान्य से अधिक, अधिकतर दिनों तक रहा।

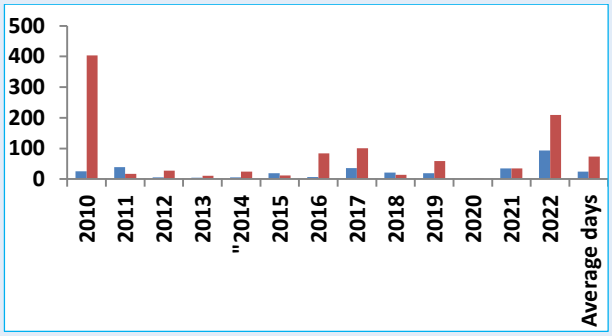

माह-वार कुल गर्मी की लहर और गंभीर गर्मी की लहर की सूचना -मार्च और अप्रैल 2010-2022 के लिए

13 और 21 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान दो चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से दक्षिण पूर्व अरब सागर और आसपास के केरल तट तक चले गए। निचले क्षोभमंडल स्तरों में मध्य भारत से दक्षिण प्रायद्वीप तक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका/पवन विच्छिन्नता जो लगभग पूरे समय बनी रही।

भारत में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति

मुख्य रूप से दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ स्टेशनों पर भारी वर्षा की घटनाएं हुई। अत्यधिक भारी वर्षा, भारी वर्षा और भारी वर्षा की घटनाओं का स्थान चित्र में दिखाया गया है। कुल 103 स्टेशनों में से, 3 स्टेशनों ने अत्यधिक भारी वर्षा (> 204.5 मिमी), 20 स्टेशनों ने बहुत भारी वर्षा (115.6 से 204.4 मिमी) और 80 स्टेशनों ने भारी वर्षा (64.5 से 115.5 मिमी वर्षा) की सूचना दी।

वर्षा परिदृश्य

अप्रैल-**2022** माह के लिए वर्षा के आंकड़े तैयार किए गए थे। पूरे देश में, अप्रैल-**2022** के महीने में वर्षा **38.4** मिमी दर्ज की गई है, जो **39.3** मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का **98%** है।

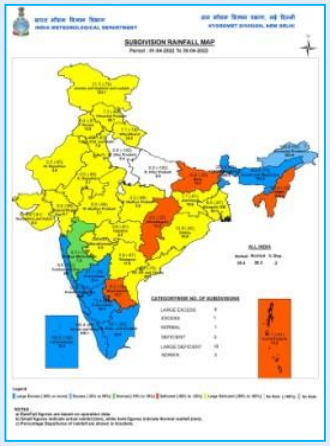

अनुमंडलवार वर्षा मानचित्र, 22 मई

तापमान परिदृश्य

पूरे देश के लिए अप्रैल-2022 के महीने का औसत तापमान 29.40 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से +1.36 डिग्री सेल्सियस अधिक था। महीने के लिए सामान्य तापमान 28.04 डिग्री सेल्सियस है। अधिकांश स्थानों पर लू से भीषण लू की स्थिति बनी हुई थी।

माह मई, 2022 की मुख्य विशेषताएं

बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान ASANI

6 मई की सुबह (0830 बजे IST) दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना। यह 7 मई की सुबह (0530 बजेIST) बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व और आसपास के दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के रूप में स्थित था। यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और 7 मई, 2022 की उसी शाम (1730 बजे IST) को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में एक गहरे दबाव में बदल गया। उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, यह 8 मई की सुबह (0530 बजे IST) चक्रवाती तूफान "ASANI" में बदल गया और उसी शाम (1730 बजे IST) बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया। यह नौ (9th)तारीखकीसुबह (0530 बजे आईएसटी) पर 55 समुद्री मील (100-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 120 किमी प्रति घंटे) की चरम तीव्रता पर पहुंच गया। इसने 10 तारीख की दोपहर (1130 बजे IST) तक अपनी चरम तीव्रता बनाए रखी, इस प्रकार 30 घंटे तक।10 तारीख की शाम से, यह धीरे-धीरे उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने लगा और 11 मई के शुरुआती घंटों (0230 बजे IST) में मछलीपट्टनम से लगभग 60 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के पश्चिम मध्य में कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसके बाद, यह बहुत धीमी गति से लगभग उत्तर की ओर बढ़ने लगा और 11 मई की शाम (1730 बजे IST) आंध्र प्रदेश तट के करीब बंगाल की खाड़ी के पश्चिम मध्य मेंकमजोर होकर एक गहरे दबाव में बदल गया। इसने 11 मई, 2022 को 1730-1930 घंटे IST के दौरान मछलीपट्टनम और नरसापुर के बीच अक्षांश 16.3 °N और देशांतर 81.3 °E के पास आंध्र प्रदेश के तट को पार किया, जो 55-65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवा की गति के साथ एक गहरे दबाव के रूप में था। इसके बाद यह तड़के (0530 बजे आईएसटी) एक दबाव में बदल गयाऔर 12 मई की सुबह (0830 बजे आईएसटी) तटीय आंध्र प्रदेश में एक अच्छी तरह से चिन्हित निम्न दबाव क्षेत्र में बदल गया।

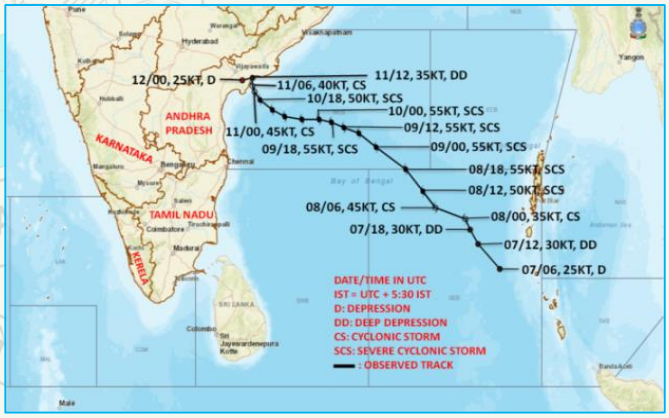

7-12 मई, 2022 के दौरान बंगाल की खाड़ी के ऊपर भीषण चक्रवाती तूफान 'आसानी' का देखा गया ट्रैक।

दक्षिण-पश्चिम मानसून का आगे बढ़ना

दक्षिण पश्चिम मानसून 16 मई को बंगाल की दक्षिण खाड़ी के कुछ हिस्सों, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अधिकांश हिस्सों और अंडमान सागर में आगे बढ़ गया था।यह बंगाल की दक्षिण खाड़ी के कुछ और हिस्सों, पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और अंडमान सागर और 18 तारीख को बंगाल की पूर्वी मध्य खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया था, यह दक्षिण अरब सागर के कुछ हिस्सों, मालदीव के दक्षिणी हिस्सों, कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया था। 20 मई 2022 को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण और पूर्व मध्य के अधिक हिस्से; दक्षिण पश्चिम मानसून 26 मई 2022 को दक्षिण पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों, दक्षिण पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र और दक्षिण बंगाल की खाड़ी में आगे बढ़ा।

यह 27 तारीख को दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, पूरे मालदीव क्षेत्र और लक्षद्वीप के आस-पास के क्षेत्रों और कोमोरिन क्षेत्र के कुछ और हिस्सों में आगे

बढ़ा था; यह 29 मई 2022 को दक्षिण अरब सागर के शेष हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र, केरल के अधिकांश हिस्सों, दक्षिण तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और मन्नार की खाड़ी और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ा; इस प्रकार, दक्षिण पश्चिम मानसून 1 जून की सामान्य तिथि के मुकाबले 29 मई, 2022 को (सामान्य तिथि से 3 दिन पहले) केरल में आ गया था।

यह मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, पूरे केरल, तमिलनाडु के कुछ और हिस्सों, पूरे दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी, दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, बंगाल की पूर्वी मध्य खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, पश्चिम मध्य और बंगाल की पूर्वोत्तर खाड़ी के कुछ हिस्सों में 31 मई 2022 को आगे बढ़ा था।मानसून की उत्तरी सीमा (एनएलएम) अक्षांश से 15 डिग्री एन / लांग 60° ई, अक्षांश, 15° उत्तर/लंबा 70° ई, कारवार, चिकमंगलुरु, बेंगलुरु, धर्मपुरी, अक्षांश 10 डिग्री एन / लांग 80° ई, अक्षांश 11.0° उत्तर/देशांतर 83° ई, अक्षांश 14.0° उत्तर/देशांतर 86° ई, अक्षांश 20.0 डिग्री एन / लांग। 91° ई और अक्षांश 22.0° उत्तर/देशांतर 93° पू. 31 मई 2022 को।

तापमान परिदृश्य

पूरे देश में मई -2022 के महीने का औसत तापमान 29.96 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से +0.22 डिग्री सेल्सियस अधिक था। महीने के लिए सामान्य तापमान 29.74 डिग्री सेल्सियस है।

वर्षा परिदृश्य

मई-2022 माह के लिए वर्षा के आंकड़े तैयार किए गए थे। पूरे देश में मई-2022 के महीने में बारिश 83.4 मिमी दर्ज की गई है, जो 62.0 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 134% है। कुल मिलाकर, श्रेणीवारवर्षा11 उपखण्ड वृहत आधिक्य में, 09 उपखण्ड अधिक में, 05 उपखण्ड सामान्य में, 05 उपखण्ड न्यून में, 06 उपखण्ड वृहद अभाव में तथा कोई भी उपखण्ड "वर्षा नहीं"की श्रेणीमेंरहा।

जून, 2022 माह की मुख्य विशेषताएं

वर्षा परिदृश्य

पूरे देश में जून-2022 के महीने में वर्षा 152.3 मिमी दर्ज की गई है जो 165.3 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 92% है। कुल मिलाकर, श्रेणीवार, 02 उपखण्ड वृहद आधिक्य में, 04 उपखण्ड आधिक्य में, 10 उपखण्ड सामान्य, 20 उपखण्ड न्यून एवं कोई भी सब-डिवीजन वर्षा की अधिक कमी और वर्षा की **"नो रेन"** श्रेणी में रह।

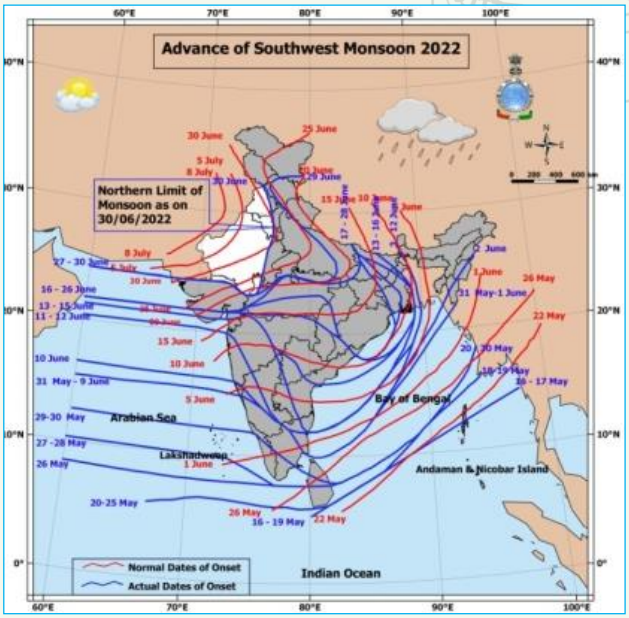

दक्षिण-पश्चिम मानसून का आगे बढ़ना

महीने के दौरान लगभग पांच पश्चिमी विक्षोभों ने उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित किया था;उनमें से एक के पारित होने से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में महीने के दूसरे पखवाड़े के दौरान छह से सात दिनों तक और पंजाब में तीन से चार दिनों तक व्यापक वर्षा/आंधी की गतिविधि हुई; निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में हरियाणा और पड़ोस में एक चक्रवाती परिसंचरण की उपस्थिति के साथ प्रणालियों के कारण राजस्थान और मध्य प्रदेश में पांच से छह दिनों और हरियाणा में काफी व्यापक वर्षा/आंधी गतिविधि हुई।

तापमान परिदृश्य

पूरे देश के लिए जून-2022 के महीने का औसत तापमान 29.62 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से +0.37 डिग्री सेल्सियस अधिक था। महीने के लिए सामान्य तापमान 29.25 डिग्री सेल्सियस है।

प्रेस विज्ञप्ति

मई, 2022 के तापमान और वर्षा का मासिक आउटलुक

आईएमडी ने 30 अप्रैल, 2022 को "मई, 2022 के दौरान तापमान और वर्षा के लिए मासिक आउटलुक" पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने इस विषय पर एक प्रस्तुति दी। हाइलाइट्स का सारांश नीचे दिया गया है:

तापमान - मई के दौरान, पश्चिम मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों और पूर्वोत्तर भारत के उत्तरी भागों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। मई के दौरान, उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्यसे ऊपर रहने की संभावना है।

वर्षा - मई 2022 में देश भर में औसत वर्षा सामान्य से अधिक (एलपीए का 109%) रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ चरम दक्षिण पूर्व प्रायद्वीप को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है, जहां यह सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

समुन्द्र सतीह तापमान दशाएं - वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में ला नीना की स्थिति बनी हुई है। नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि ला नीना की स्थिति पूर्वानुमान अवधि के दौरान जारी रहने की संभावना है। वर्तमान में तटस्थ आईओडी स्थितियां हिंद महासागर के ऊपर मौजूद हैं और नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि नकारात्मक आईओडी स्थितियां जून की शुरुआत में विकसित होने की संभावना है।

मॉनसून सीज़न की वर्षा का प्रथम चरण लंबी दूरी का पूर्वानुमान (14 अप्रैल, 2022)

- आईएमडी दक्षिण पश्चिम मॉनसून सीजनल (जून से सितंबर) पूरे देश में वर्षा सामान्य रहने की संभावना है [दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 96 से 104%]।
- मात्रात्मक रूप से, मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) वर्षा ± 5% की मॉडल त्रुटि के साथ दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 99% होने की संभावना है। 1971-2020 की अवधि के लिए पूरे देश में सीजनलवर्षा का एलपीए 87 सेमी है।
- वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में ला नीना की स्थिति प्रबल है। नवीनतम एमएमसीएफएस के साथ-साथ अन्य जलवायु मॉडल पूर्वानुमान इंगित करते हैं कि मानसून के मौसम के दौरान ला नीना की स्थिति जारी रहने की संभावना है। वर्तमान में, तटस्थ आईओडी स्थितियां हिंद महासागर के ऊपर मौजूद हैं और नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि तटस्थ आईओडी स्थितियां दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम की

शुरुआत तक जारी रहने की संभावना है। इसके बाद, नकारात्मक IOD स्थिति के लिए बढ़ी हुई संभावना का अनुमान लगाया जाता है।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीजन (जून-सितंबर), 2022 का अद्यतन दीर्घकालिक पूर्वानुमान और जून 2022 के दौरान वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक (31 मई, 2022)

- पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) वर्षा सामान्य रहने की संभावना है [दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 96 से 104%]।
- मात्रात्मक रूप से, पूरे देश में मानसून सीजन (जून से सितंबर) वर्षा ± 4% की मॉडल त्रुटि के साथ लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 103% होने की संभावना है।
- चार समरूप क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन वर्षा मध्य भारत (एलपीए का>106%) और दक्षिण प्रायद्वीप (एलपीए का>106%) के लिए सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।
- मॉनसून कोर ज़ोन पर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीजन वर्षा, जिसमें अधिकांश वर्षा आधारित कृषि क्षेत्र शामिल हैं, के सामान्य से अधिक (एलपीए का>106%) रहने की संभावना है।
- पूर्व मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत और चरम दक्षिण पश्चिम प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद के साथ मानसून मौसमी वर्षा अच्छी तरह से वितरित होने की संभावना है, जहां यह सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।
- प्रचलित ला नीना की स्थिति भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर जारी रहने की संभावना है और मानसून के मौसम के दौरान हिंद महासागर के ऊपर नकारात्मक आईओडी स्थितियों के विकास की सबसे अधिक संभावना है।

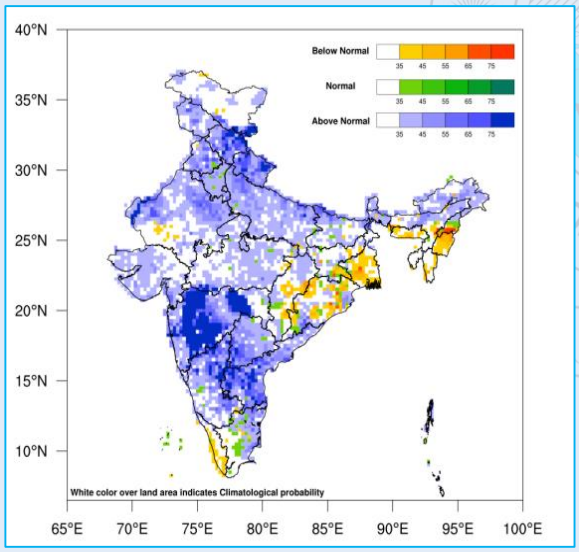

मॉनसून सीज़न (जून-सितंबर), 2022 के दौरान भारत में बारिश की टर्सिल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से ऊपर) का अद्यतन संभावना पूर्वानुमान

विशेष घटनाएँ

5 अप्रैल, 2022 को चक्रवात पूर्व अभ्यास बैठक

आईएमडी ने 5 अप्रैल, 2022 को **डॉ. मृत्युंजय महापात्र**, डीजी, आईएमडी की अध्यक्षता में तैयारियों की समीक्षा करने, आवश्यकताओं का जायजा लेने, चक्रवात के मौसम अप्रैल-जून, 2022 के लिए योजना और हितधारकों के साथ आईएमडी द्वारा नई पहलसाझा करने के लिए ऑन-लाइन पूर्व-चक्रवात अभ्यास बैठक का आयोजन किया। । **डॉ. महापात्र**, महानिदेशक, आईएमडी ने अपने उद्घाटन भाषण में पूर्वानुमान से लेकर अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी तक के विभिन्न मुद्दों पर बात की और उन क्षेत्रों पर चर्चा की, जिनमें उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार विशेष रूप से अनुकूलित क्षेत्र विशिष्ट सलाह में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को सूचित किया कि आईएमडी ने अवलोकन नेटवर्क, मॉडलिंग क्षमताओं और पूर्वानुमान तकनीकों में महत्वपूर्ण सुधार हासिल किए हैं। परिणामस्वरूप, ट्रैक, लैंडफॉल, तीव्रता और भारी वर्षा, तेज हवा और तूफान की चेतावनी सहित प्रतिकूल मौसम के संदर्भ में चक्रवात के पूर्वानुमान में एक आदर्श बदलाव आया है। उन्होंने प्रतिभागियों को 2022 के दौरान चक्रवात चेतावनी सेवाओं में हुए नए विकास के बारे में भी जानकारी दी।

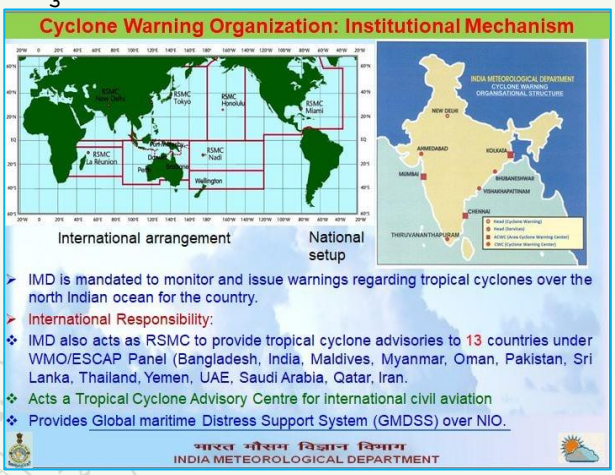

आईएमडी के चक्रवात चेतावनी प्रभाग का संस्थागत तंत्र

अन्य महत्वपूर्ण घटनाएँ

दक्षिण एशियाई जलवायु आउटलुक फोरम

साउथ एशियन क्लाइमेट आउटलुक फोरम (SASCOF-22) और क्लाइमेट सर्विसेज यूजर फोरम (CSUF) का 22वां सत्र 26-28 अप्रैल, 2022 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया।

समझौता ज्ञापन

2 मई, 2022 को संयुक्त अध्ययन और जलवायु से संबंधित परियोजनाओं के लिए IIT बॉम्बे, मुंबई और IMD (CR&S पुणे) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौता ज्ञापन

भारत मौसम विज्ञान विभाग और पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (POSOCO) के बीच 3 जून, 2022 को "**भारतीय विद्युत प्रणाली के बेहतर प्रबंधन के लिए पूरे भारत में पावर सिस्टम ऑपरेटरों द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की गई मौसम संबंधी जानकारी के उपयोग के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्लेषण के उद्देश्य के लिए**"।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी और श्री एस. आर. नरसिम्हन, सीएमडी POSOCO हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान

मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

कार्यशाला

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'E'ने विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा 22 जून, 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित "**WIS 2.0 मीटिंग**" पर अपनी कार्यान्वयन योजना के बारे में और "**WIS2 इन ए बॉक्स**" कार्यशाला में भाग लिया, ताकि उद्योग को WIS से संक्रमण की तैयारी के लिए तैयार किया जा सके। और WIS 2.0 के लिए GTS और WIS-2.0 को बढ़ावा देने के लिए तालमेल के अवसरों का पता लगाने के लिए।

आईएमडी और amp- पोसोको द्वारा "**सिस्टम ऑपरेटरों के लिए मौसम विज्ञान**" पर एक कार्यशाला का आयोजन 23-24 जून, 2022 से ऑनलाइन मोड में किया गया था। इसमें राष्ट्रीय और राज्य भार प्रेषण केंद्रों, एनएचपीसी और अन्य बिजली कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान आईएमडी के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ', **श्री राहुल सक्सेना**, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. ए. के. दास**, वैज्ञानिक 'ई', **श्री एस. के. माणिक**, वैज्ञानिक 'सी', **श्री अशोक राजा**, वैज्ञानिक 'सी' और **सुश्री हेमलता भरवानी**, वैज्ञानिक 'सी' ने एनआरएससी, जीएसआई के प्रतिनिधियों के साथ '29 जून, 2022 को भारतीय क्षेत्र रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड) और वायनाड (केरल) पर विशेष जोर देते हुए "**भूस्खलन जोखिम आकलन क्षमता**" पर 1-दिवसीय तकनीकी कार्यशाला में भाग लिया। .

बैठकें/वीडियो कॉन्फ्रेंस

डॉ. पी. गुहाठाकुरता, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. ओ. पी. श्रीजीत,** वैज्ञानिक 'ई', **डॉ. सत्यभान बिशोय रत्न**, वैज्ञानिक 'ई', **डॉ. दिव्या सुरेंद्रन**, वैज्ञानिक 'सी', **डॉ. एस.डी. सनप**, वैज्ञानिक 'सी', **सुश्री आरती बंडगर**, वैज्ञानिक 'सी', **सुश्री स्मिता नायर**, मेट 'ए' और **श्री प्रसाद भोर**, मेट 'ए' ने 5-7 अप्रैल और 19-21 अप्रैल, 2022 तक और एसएएससीओएफ-22 सीएसयूएफ के लिए 26-28 अप्रैल, 2022 तक ऑनलाइन प्री-सीओएफ बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 7 अप्रैल, 2022 को एनडीआरएफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आपदा प्रतिक्रिया के लिए क्षमता निर्माण - 2022 पर वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। डीजीएम, आईएमडी ने 8 अप्रैल, 2022 को समापन सत्र में भी भाग लिया।

डॉ. गीता अग्निहोत्री, वैज्ञानिक 'एफ' **और डॉ. राजवेल मनिक्कम**, वैज्ञानिक 'ई', **डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव**, वैज्ञानिक'ई', **डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक** 'ई' और **श्री प्रमोद कुमार**, वैज्ञानिक 'सी' ने 8-9 अप्रैल, 2022 को आयोजित "**एएमआर/एसीआर 2022 बैठक**" में भाग लिया है।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने एडीएल की अध्यक्षता में आयोजित "**संचालन समिति की दूसरी बैठक**" में भाग लिया। भारत के अनुकूलन संचार के संबंध में 11 अप्रैल, 2022 को सचिव, MoEF&CC।

डॉ. के के सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और प्रमुख, एएएसडी और **डॉ. एस. डी. अत्री,** वैज्ञानिक 'जी' ने 12 अप्रैल, 2022 को किसानों द्वारा कृषि मौसम संबंधी जानकारी के उपयोग के लिए सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ प्रसार प्रणाली के विकास पर चर्चा करने के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 13 अप्रैल, 2022 को "**उत्तराखंड और सिक्किम राज्यों में जलवायु सेवाओं**" के संबंध में यूएनडीपी की टीम के साथ चर्चा बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, एमओईएस और **डॉ. एम. महापात्र**, डीजी, आईएमडी ने 18 अप्रैल, 2022 को "**मानसून की संभावनाएं - 2022 के लिए अनुमान**" के संबंध में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति में भाग लिया।

श्री के. एस. होसालिकर, वैज्ञानिक 'जी', **डॉ. ओ. पी. श्रीजीत**, वैज्ञानिक 'ई' और **डॉ राजीव चट्टोपाध्याय,** वैज्ञानिक 'ई' ने 19-20 अप्रैल, 2022 को "**क्वाड क्लाइमेट इंफॉर्मेशन सर्विसेज टास्कफोर्स एक्सपर्ट्स ग्रुप**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 20-21 अप्रैल, 2022 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "**15वें सिविल सेवा दिवस**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 22 अप्रैल, 2022 को सिस्टमैटिक्स शेयर्स एंड स्टॉक्स (इंडिया) लिमिटेड के साथ "**मानसून सीज़न**" पर वर्चुअल कॉन्फ्रेंस कॉल में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक'जी', **डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव**, वैज्ञानिक 'ई' और **डॉ. शंकर नाथ,** वैज्ञानिक 'ई' ने 22 अप्रैल, 2022 को तमिलनाडु आपदा एजेंसी और प्रबंधन के संबंध में चर्चा बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 23 अप्रैल, 2022 को अल्ली गांव, सांबा, जम्मू-कश्मीर में पंचायती राज दिवस समारोह में भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 24 अप्रैल, 2022 को WMO के "**ET-ARM of SERCOM**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी और आईएमडी के अन्य विशेषज्ञों ने वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग, सरकार द्वारा आयोजित "**ओडिशा संदर्भ में वैश्विक जलवायु मॉडल की भेद्यता विश्लेषण और डाउनस्केलिंग**" पर आभासी बैठक में 25 अप्रैल, 2022 को बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 26 अप्रैल, 2022 को "**22वें दक्षिण एशियाई जलवायु आउटलुक फोरम**" के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 26 अप्रैल, 2022 को वेबएक्स के माध्यम से आयोजित "**भू-स्थानिक सूचना अनुभागीय समिति, एलआईटीडी-22**" की आठवीं बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 28-29 अप्रैल, 2022 को आईआईटीएम की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में और 30 अप्रैल, 2022 को वर्चुअल रूप से गवर्निंग काउंसिल की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में 2 और 5 मई, 2022 को "**हीट वेव और मानसून की तैयारी**" पर वीसी बैठक में भाग लिया और 5 मई, 2022 को एक प्रस्तुति दी।

डॉ कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 5 मई, 2022 को जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा **"एकीकृत जल और फसल सूचना प्रबंधन प्रणाली (IWCIMS) विकसित करने के लिए संगठन विवरण दस्तावेज़"** के संबंध में बैठक में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 2 मई, 2022 को आईएमडी की **"प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड एडवाइजरी कमेटी (पीएमएसी) की 9वीं बैठक"** की अध्यक्षता की ताकि एक्रॉस-आईएमडी के तहत परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी की जा सके और गतिविधियों के सफल कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपचारात्मक उपायों का सुझाव दिया जा सके।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 4 मई, 2022 को **"डब्ल्यूएमओ महासचिव ब्रीफिंग सत्र"** में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 10 मई, 2022 को **सचिव, एमओईएस** की अध्यक्षता में **निदेशक, आईएनसीओआईएस** के साथ बैठकमें भाग लिया, जिसमें सुरक्षित अपतटीय संचालन के लिए अनुकूलित बुलेटिनों के उत्पादन और प्रसार के लिए टिप्पणियों, मॉडलिंग और डेटा रिसेप्शन सिस्टम में वृद्धि के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 10 मई, 2022 को पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर प्रचंड चक्रवाती तूफान 'असनी' की तैयारी की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ. पुलक गुहाठाकुरता, वैज्ञानिक 'एफ' ने 10 मई, 2022 को जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य (एनपीसीएचसीएच) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत **"वेक्टर जनित रोग ।-एनआईएमआर- वेक्टर जनित रोग वितरण (एचएपी) को टीईजी वीबीडी को साझा करना"** की टीईजी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 11 मई, 2022 को राष्ट्रीय सीमेंट और निर्माण सामग्री परिषद (एनसीसीबीएम), बल्लभगढ़, हरियाणा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, 2022 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. आर. के. जेनामनी, वैज्ञानिक 11 मई, 2022 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, न्यू दिल्लीमें एनडीएमए की **"फॉरेस्ट फायर मैनेजमेंट इन इंडिया"** पर राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में 'एफ' ने भाग लिया और "वन की आग और उसके आगे के व्यवहार के कारण जलवायु और मौसम की स्थिति की निगरानी और पूर्वानुमान" पर आईएमडी इनपुट प्रस्तुत किया।

डॉ. डी. आर पटनायक, वैज्ञानिक'एफ' ने 12 मई, 2022 को एनडीएमए भवन में **"बंगाल की खाड़ी पहल बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक)"** की पहली बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी **और डॉ. के. सती देवी,** वैज्ञानिक 'एफ' ने 13 मई, 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में **'श्री अमर नाथ जी यात्रा 2022'** की तैयारियों और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र,, महानिदेशक, आईएमडी ने 17 मई, 2022 को **"वेक्टर जनित रोगों के लिए जलवायु-आधारित क्रियाओं का मानकीकरण"** के संबंध में मलेरिया और जलवायु समाधान संस्थान (आईएमएसीएस) के निदेशक, डॉ. कौशिक सरकार के साथ बैठक में भाग लिया।

डॉ. गीता अग्निहोत्री, वैज्ञानिक 'एफ' और **श्री ए प्रसाद,** वैज्ञानिक 'डी' ने 17 मई, 2022 को आयोजित सीडब्ल्यूसी, बेंगलुरु द्वारा **"बाढ़ पूर्वानुमान पर हितधारकों की बैठक"** में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 18-19 मई, 2022 को नई दिल्ली में दक्षिण-पश्चिम मानसून 2022 की तैयारी की स्थिति की समीक्षा के लिए राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन विभाग के राहत आयुक्तों/सचिवों के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। और प्रस्तुति दी।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 19 मई, 2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से **"महाराष्ट्र की राज्य स्तरीय खरीफ (पूर्व-मौसम) समीक्षा बैठक - 2022 (राज्य स्तरीय खरीप हंगाम पूर्व आढावा बैठक -2022)"** में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 20 मई, 2022 को भाकृअनुप-आईआईएसएस, भोपाल में आयोजित **"आपदा समुत्थानशील कृषि के लिए जलवायु सूचना"** पर आमने-सामने प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित किया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 23 मई, 2022 को **"दक्षिण एशिया में परिचालन सेवाओं की मौसमी भविष्यवाणी"** पर प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 23 मई, 2022 को **"डब्ल्यूसीएसएसपी इंडिया कार्यकारी समिति की बैठक"** में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 24 मई, 2022 को डब्ल्यूएमओ की दूसरी बैठक **"व्यवस्थित अवलोकन और वित्तीय सुविधाएं"** में भाग लिया।

डॉ. राजवेल मनिक्कम, वैज्ञानिक 'ई' ने 25 मई, 2022 को परियोजना निदेशक, फलों के साथ **"एकीकरण के संबंध में आईएमडी की कार्यान्वयन योजना"** पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 25 मई, 2022 को हाइड्रोलॉजिकल मूल्यांकन और मौसम संबंधी डेटा के संबंध में डॉ. कपिल कुमार नरूला, सीईओ और कार्यकारी निदेशक, सीआईआई जल संस्थान के साथ बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 26 मई, 2022 को श्री अभिनव सक्सेना, अदानी पावर के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के लिए मौसम सेवाओं के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने तकनीकी प्रगति, 2022-23 के लिए आगामी कार्य योजना और पहल के अगले चरण में एनएसडीआई/एसएसडीआई गतिविधियों के संबंध में 26 मई, 2022 को **"एनएसडीआई नोडल अधिकारी और राज्य एसडीआई पीआई"** बैठक पर वीसी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 27 मई, 2022 को आईएमडी रिम्स यूनिट, आईआरयू पर प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं के संबंध में श्री ए. आर. सुब्बैया, निदेशक, रिम्स कार्यक्रम इकाई के साथ बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 30 मई, 2022 को MWO, पालम में **"एविएशन फोरकास्टिंग रिफ्रेशर कोर्स"** का उद्घाटन किया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 30 मई, 2022 को हाइब्रिड मोड के माध्यम से **"समीर की 19वीं अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी)"** में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ', **श्री राहुल सक्सेना**, वैज्ञानिक'एफ', **डॉ. ए.के. दास**, वैज्ञानिक 'ई', **श्री एस.के. माणिक**, वैज्ञानिक 'सी', **श्री अशोक राजा**, वैज्ञानिक 'सी' और **सुश्री हेमलता भरवानी**, वैज्ञानिक 'सी' ने NWP, NCMRWF, IITM और सभी RMC, MC, FMO'S के अधिकारियों के साथ 30 मई, 2022 को **'NWP अनुसंधान पर परिचालन समिति'** की बैठक में भाग लिया।

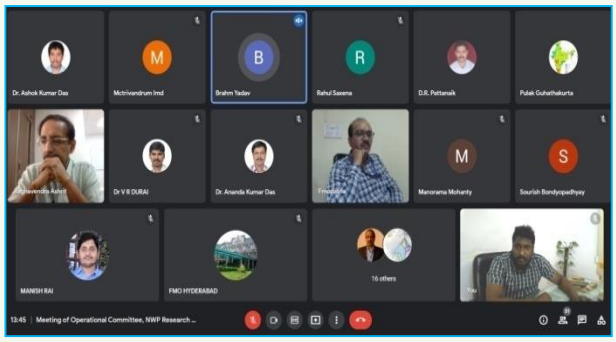

30 मई 2022 को एनडब्ल्यूपी बैठक

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 2 जून, 2022 को नई दिल्ली में देश में बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा के लिए माननीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 3 जून, 2022 को नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली में श्री अमरनाथ जी यात्रा की व्यवस्था की प्रगति की समीक्षा करने के लिए **माननीय केंद्रीय गृह मंत्री** की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लिया।

डॉ कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 3 जून, 2022 को एआईसीआरपीएएम परियोजना के तहत आईसीएआर-सीआरआईडीए द्वारा आयोजित **"एग्रोक्लिमैटिक एटलस ऑफ इंडिया : ए रिविजिट"** पर विचार-मंथन सत्र में भाग लिया।

श्री एस सी भान, वैज्ञानिक 'एफ' और **श्री एच.एस. साहनी**, वैज्ञानिक 'ई' ने 7 जून, 2022 को हितधारकों के बीच अंतर-मंत्रालयी घोषणा और **"एक स्वास्थ्य"** गतिविधि के लिए प्रस्तावित कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए **श्री लव अग्रवाल**, संयुक्त सचिव (पीएच), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में निर्माण भवन, नई दिल्ली मेंआयोजित एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 8 जून, 2022 को अपतटीय अन्वेषण और उत्पादन ऑपरेटरों के लिए अनुकूलित पूर्वानुमान उत्पन्न करने के लिए टिप्पणियों के संवर्धन के लिए परियोजना प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए डीजी, हाइड्रोकार्बन के साथ आभासी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 8 जून, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'विश्व महासागर दिवस' के अवसर पर उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 8 जून, 2022 को कृषि आयुक्तालय, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) **"राज्य स्तरीय फसल बीमा समन्वय समिति की बैठक"** में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 9 जून, 2022 को आईएमडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एनडीएमए भवन, नई दिल्ली में **"आपदा जोखिम प्रबंधन"** पर इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए) वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 13 जून, 2022 को डब्ल्यूएमओ/जीएडब्ल्यू कार्यान्वयन योजना बैठक में वीसी के माध्यम से 'जी' ने भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 16 जून, 2022 को माननीय मंत्री, एमओईएस की अध्यक्षता में आकाश तत्व पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह प्रदर्शनी के आयोजन के लिए योजना तैयार करने के संबंध में बैठक में भाग लिया।

श्री मनमोहन सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 15 जून, 2022 को मिनी सचिवालय हरियाणा, चंडीगढ़ में हरियाणा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) द्वारा आयोजित **"दक्षिण पश्चिम मानसून 2022"** के संबंध में आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 15 जून, 2022 को आईएमडी, नई दिल्ली और आईआईटी, मद्रास के अधिकारियों के साथ **"मंडी और मौसम की जानकारी की भाषण आधारित प्रणाली के विकास और तैनाती"** पर चर्चा करने के लिए ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 15 जून, 2022 को **"मौसम विज्ञान उपग्रहों के लिए डब्ल्यूएमओ के समन्वय समूह (सीजीएमएस) -50"** की बैठक और 21 जून, 2022 को विशेष कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 16 जून, 2022 को विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा आयोजित **"टीटी जीआईएससी बैठक"** में वार्षिक स्थिति रिपोर्ट के संबंध में वर्चुअल मोड में भाग लिया।

डॉ कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 16 जून, 2022 को सीआरएस, आईएमडी, पुणे और आईआईटी, बॉम्बे के अधिकारियों के साथ **"जल प्रबंधन और फसल स्वास्थ्य परियोजना"** के बारे में चर्चा करने के लिए ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस.डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने नई दिल्ली में **"इंडस्ट्रियल डीकार्बोनाइजेशन समिट 2022"** में भाग लिया, जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय मंत्री **श्री नितिन गड़करी** ने 16 जून 2022 को किया था।

शिखर सम्मेलन के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी, डॉ. एस. डी. अत्री और अन्य

श्री राजा आचार्य, मेट. 'ए' ने 20 जून, 2022 को **"ओसीपी के डब्ल्यूएमओ तीसरे उच्च-स्तरीय आभासी सत्र"** में भाग लिया और **"राष्ट्रीय मौसम विज्ञान या हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल सेवाओं के भविष्य पर श्वेत पत्र #2-विकसित भूमिकाएं और जिम्मेदारियां"** लॉन्च की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने आईएमडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15, जनपथ, नई दिल्ली में **"भारत में बांध सुरक्षा शासन के लिए बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021"** पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। 16 जून, 2022।

श्री शिविंदर सिंह, वैज्ञानिक 'सी' ने 23 जून, 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरियाणा के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित **"हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 53वीं बैठक"** में भाग लिया।

व्याख्यान/वार्ता

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' ने संकाय सदस्यों और बी.एससी. मुख्य परिसर, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक के कृषि छात्र 12 अप्रैल, 2022 को और कृषि महाविद्यालय, बीजापुर, कर्नाटक 22 अप्रैल, 2022 को सीआर एंड एस, पुणे की अपनी यात्रा के दौरान।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 6 अप्रैल, 2022 और 6 मई, 2022 को एनआरडीसी द्वारा आयोजित वेबिनार में **"सबसे अधिक गर्मी के प्रति संवेदनशील के लिए जलवायु लचीलापन बनाना : तैयारियों और प्रतिक्रिया को मजबूत करना"** पर एक विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 6 अप्रैल, 2022 को आईसीएआर प्रायोजित 21 दिनों के विंटर स्कूल में ऑनलाइन मोड के माध्यम से **"जलवायु जोखिम आकलन और कृषि के लिए इसके प्रबंधन के लिए रणनीति"** विषय पर व्याख्यान दिया। 28 मार्च -17 अप्रैल, 2022 से जलवायु परिवर्तन पर अग्रिम अध्ययन (CASCC), डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार के लिए।

श्री ए. प्रसाद, वैज्ञानिक 'डी' ने 19 मई, 2022 को वाटरमैन शिप कोर्स कर रहे कर्नाटक सरकार के गृह रक्षकों को **"बाढ़ के दौरान मौसम पूर्वानुमान प्रणाली"** पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 6 जून, 2022 को सीएसआईआर-एनआईएससी पीआर, नई दिल्ली में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर **"जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम"** पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 10 जून, 2022 को केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित **"मानसून 2022-क्या उम्मीद करें"** पर एक ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 15 जून, 2022 को उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद, वसंत कुंज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित **"हम कैसे उत्तराखंड को जलवायु अनुकूल बना सकते हैं"** पर मुख्य भाषण दिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक'एफ', **डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा**, वैज्ञानिक 'डी' और **डॉ. आशा लटवाल,** वैज्ञानिक 'सी' ने 28 जून, 2022 को कृषि विभाग, महाराष्ट्र सरकार, महाराष्ट्र रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (MRSAC) नागपुर और AASD, नई दिल्ली के अधिकारियों के साथ **"महाएग्रीटेक पोर्टल पर IMD मौसम पूर्वानुमान और कृषि सलाह का एकीकरण"** के संबंध में एक बैठक में भाग लिया।

वेबिनार

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक'ई', **श्री प्रमोद कुमार**, वैज्ञानिक 'सी' और **सुश्री कोमल श्रीवास्तव,** एस.ए. ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित 25 अप्रैल, 2022 को - **"मेटावर्स-इंटरनेट का भविष्य"** पर वेबिनार में भाग लिया।

प्रशिक्षण

18वाँ WMO का उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वानुमानकर्ता प्रशिक्षण

क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (RSMC), नई दिल्ली द्वारा 04-14 अप्रैल के दौरान ऑनलाइन मोड के माध्यम से **18वां उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वानुमान प्रशिक्षण 2022** आयोजित किया गया था। WMO/ESCAP पैनल के सदस्य देशों से 15 और ACWCs, CWCs और तटीय MCs और MOs, राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र और RSMC नई दिल्ली से 51 सहित 65 प्रतिभागी थे। WMO ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए IMD की सराहना की।

आईएमडी ने 2 मई को अन्वेषण और उत्पादन ऑपरेटरों के लिए परिचय प्रशिक्षण (ऑनलाइन मोड) का आयोजन किया, जिसमें हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय, भारतीय तटरक्षक बल, स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण कार्यालय, तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय, भारतीय नौसेना और तेल और तेल सहित ऑपरेटरों के लगभग 150 प्रतिभागी शामिल थे। प्राकृतिक गैस निगम, शेल, सन पेट्रो, इनवेनियर, रिलायंस, अडानी आदि। प्रशिक्षण के दौरान चक्रवातों की मूल बातें, समुद्री समुदाय के लिए आईएमडी द्वारा जारी किए गए विभिन्न बुलेटिन और सुरक्षित अपतटीय संचालन के लिए विकसित अनुकूलित उत्पादों के बारे में व्याख्यान की व्यवस्था की गई।

वेब ऑफ साइंस ट्रेनिंग

एमओईएस ने डिजिटल अर्थ कंसोर्टियम के हिस्से के रूप में अपने संस्थानों के लिए वेब ऑफ साइंस की सदस्यता ली है। इस स्रोत का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए, तिमाही के दौरान 18 मई, 24 मई, 31 मई, 8 जून और 14 जून, 2022 को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण के पांच सत्र आयोजित किए गए।

पैनल चर्चा

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 27 अप्रैल, 2022 को डीडी नेशनल में **"चक्रवात चेतावनी और बचाव"** विषय पर पैनल चर्चा **"आपदा का सामना"** की रिकॉर्डिंग में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

एग्रीमेट डिवीजन, आईएमडी, पुणे ने रीजनल इंटीग्रेटेड मल्टी-हैजर्ड अर्ली वार्निंग सिस्टम (आरआईएमईएस) और यूके मेट ऑफिस (यूकेएमओ) के सहयोग से **"एग्रोमेट एडवाइजरी की तैयारी के लिए परिचालन प्रक्रियाएं: ज्ञान और अनुभव साझा करने की कार्यशाला"** पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 30 मई-3 जून, 2022 के दौरान बांग्लादेश और नेपाल के अधिकारी के लिए। **डॉ. एस. डी. अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

3 जून, 2022 को **"एसएसियाएफएफजीएस एनहैंस्ड विद लैंडस्लाइड हैज़र्ड असेसमेंट कैपेबिलिटी - ट्रेनिंग ऑफ़ फोरकास्टर्स"** पर अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी चर्चा हुई।

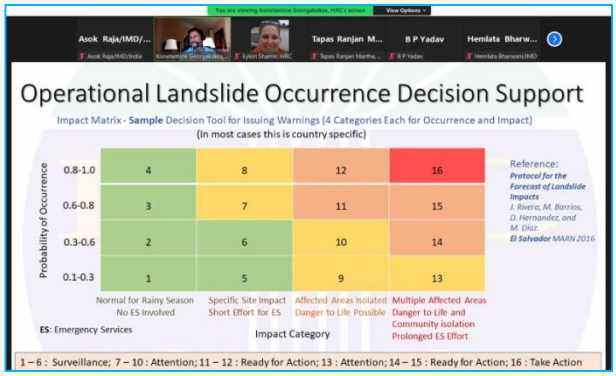

"भूस्खलन खतरा आकलन क्षमता" पर तकनीकी कार्यशाला

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ', **श्री राहुल सक्सेना**, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. ए. के. दास,** वैज्ञानिक 'ई', **श्री एस. के. माणिक**, वैज्ञानिक 'सी', **श्री अशोक राजा**, वैज्ञानिक 'सी' और **सुश्री हेमलता भरवानी**, वैज्ञानिक 'सी' ने कार्यक्रम में भाग लिया।

उपलब्धियाँ/प्रशंसाएँ/पुरस्कार

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी को 20वें लोक मेले और 13वें कृषि मेला-2022 पुरी, ओडिशा के दौरान स्वैच्छिक सेवा संगठन श्री श्रीक्षेत्र सूचना, पुरी द्वारा चक्रवात चेतावनी सेवाओं में प्रतिमान बदलाव लाने और समाज में उनके प्रशंसनीय योगदान के लिए "श्रीक्षेत्र सम्मान - 2022" से सम्मानित किया गया।

श्रीक्षेत्र सम्मान-2022

श्रीक्षेत्र सम्मान-2022 महानिदेशक, आईएमडी को प्रदान किया गया

डब्ल्यूसीडीएम-डीआरआर पुरस्कार

भारत मौसम विज्ञान विभाग को 22 जून, 2022 को चक्रवातों और चरम मौसम की घटनाओं के लिए मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए "विश्व कांग्रेस आपदा प्रबंधन- आपदा जोखिम न्यूनीकरण पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। डॉ. एस.डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' को यह पुरस्कार मिला।

पुरस्कार प्राप्त करते हुए डॉ. एस. डी. अत्री

आईएमडी की चक्रवात चेतावनी सेवाओं ने श्री डी. सी. शर्मा द्वारा लिखित **"इंडियन इनोवेशन"** नामक पुस्तक में भारत को बदलने वाले '**100 नवाचारों में से एक**' स्थान अर्जित किया।

अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'मौसम' की उपलब्धियां

भारत मौसम विज्ञान विभाग की त्रैमासिक अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका '**मौसम**' को 2021 से ऑनलाइन (https://mausamjournal.imd.gov.in/index.php/MAUSAM) कर दिया गया है। तब से यह पत्रिका दुनिया में उन्नति की राह बना रही है। 'मौसम'वैज्ञानिक पत्रिका की सफलता के कुछ बिंदु हैं:

- सभी अनुसंधान लेख ('मौसम', **1950** की उत्पत्ति के बाद से) **वेबसाइट पर अपलोड** किए गए हैं और उन सभी के लिए **डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेंटिफ़ायर (डीओआई)** सक्रिय हो गए हैं और सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।
- **इम्पैक्ट फैक्टर** पिछले तीन वर्षों में कई एजेंसियों द्वारा जर्नल द्वारा मूल्यांकित किया गया है और अधिकतम पर है।

पत्रिका द्वारा मूल्यांकन किया गया है:

जर्नल साइटेशन रैंकिंग (**JCR**): **2021** में **0.636** से **0.906**

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी: **2022** में **6.37** से **6.64**

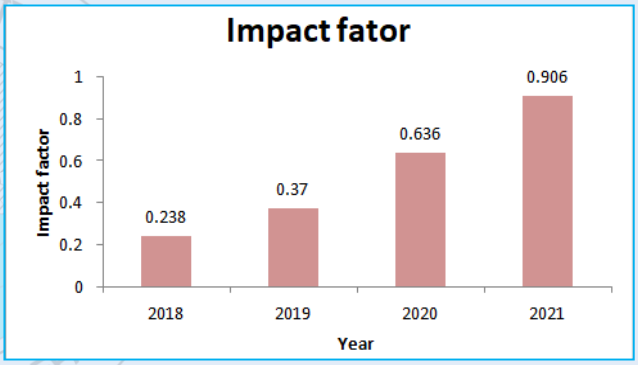

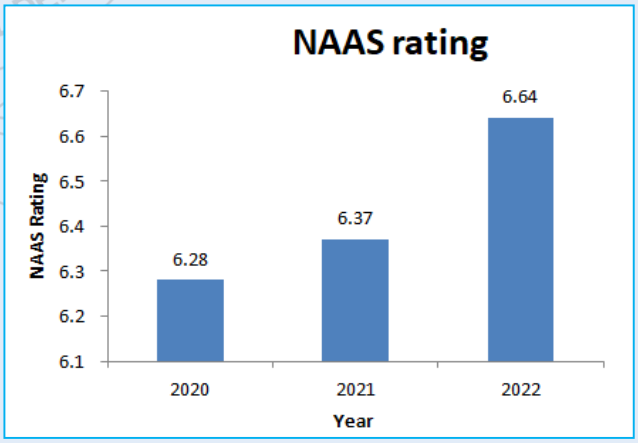

बुनियादी ढाँचा विकास एवं स्थापनाएँ

नई परियोजनाएं/योजनाएं/कार्यक्रम स्वीकृत/आरंभ किए गए

आईएमडी ने 2020 में केरल में 30 एडब्ल्यूएस और 30 एआरजी का एक नेटवर्क स्थापित किया है। केरल में सतह अवलोकन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए, आईएमडी ने 400 एडब्ल्यूएस परियोजना के तहत केरल में 85 एडब्ल्यूएस की स्थापना का प्रस्ताव दिया है।

AWS केरल में स्थापित किया गया था

दक्षिण एशिया कार्यक्रम के लिए प्रमुख फ्लैश फ्लड गाइडेंस सर्विसेज के तहत, भारतीय उपमहाद्वीप के कमजोर पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन से संबंधित फ्लैश बाढ़ की बेहतर भविष्यवाणी के लिए फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम में भूस्खलन संवेदनशीलता मॉड्यूल का एकीकरण। शहरी शहरों की वास्तविक समय में बाढ़ की निगरानी के लिए शहरी बाढ़ मॉड्यूल का फ्लैश फ्लड मार्गदर्शन प्रणाली में एकीकरण।

जून, 2022 के महीने में - आईएमडी, पुणे द्वारा पुणे जिले, महाराष्ट्र में चार एडब्ल्यूएस स्थापित किए गए थे।

आईएमडी की वेबसाइट पर नाउकास्ट सत्यापन पोर्टल में मानचित्र प्रदर्शन, उपविभाग-वार विकल्प, पंजीकृत पृष्ठ और लॉगिन पृष्ठ जोड़ा गया है। एम.सी. जयपुर के लिए पिछले वर्ष के मानसून डेटा के लिए वेब-पेज भी बनाया गया है।

आईएमडी स्टोर्स डैशबोर्ड को (डेस्कटॉप, प्रिंटर, स्कैनर, यूपीएस, फोटोकॉपियर और एयर कंडीशनर इत्यादि), अप्रचलित वस्तुओं और ऐतिहासिक/कलात्मक मूल्य वस्तुओं सहित सभी अचल संपत्तियों की प्रविष्टियों की लाइव स्थिति दिखाने के लिए लॉन्च किया गया है। मेटनेट में लॉगइन बाय सेक्शन पर जाकर स्टोर इन्वेंटरी में आईएमडी कार्यालयों के सभी अनुभागों द्वारा प्रविष्टियां की जा रही हैं।

केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत धन के प्रवाह के लिए संशोधित प्रक्रिया का कार्यान्वयन 12 अप्रैल, 2022 को MoES में आयोजित किया गया था।

राजभाषा अनुभाग

राजभाषायी निरीक्षण

दिनांक 21 अप्रैल, 2022 को प्रादेशिक मौसम केंद्र - चेन्नै, मौसम केंद्र - हैदराबाद तथा मौसम केंद्र - तिरूवनतंपुरम का राजभाषायी ई-निरीक्षण **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (रा.भा.) द्वारा किया गया जिसमें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से **श्री मनोज आबूसरिया**, संयुक्त निदेशक (रा.भा.) तथा मुख्यालय से **डॉ. एस. डी. अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' भी शामिल रहे।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 29 अप्रैल, 2022 को मौसम केंद्र-चंडीगढ का निरीक्षण किया गया।

श्रीमती इंदिरा मूर्ति,श्रीमती सरिता जोशी, श्री मनोज आबूसरिया, श्री सचिनकदयान, डॉ. एस. डी. अत्री, श्री चरण सिंह तथा श्री मनमोहन सिंह निरीक्षण के दौरान

इस निरीक्षण में मंत्रालय की तरफ से **श्रीमती इंदिरा मूर्ति**, संयुक्त् सचिव और **श्री मनोज आबूसरिया**, संयुक्तम निदेशक (रा.भा.) तथा मुख्यालय की तरफ से **डॉ. शिव देव अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' और **श्रीमती सरिता जोशी**, उप निदेशक (रा.भा.), **श्री सचिन कदयान**, कनिष्ठी अनुवाद अधिकारी ने भाग लिया। निरीक्षण सफल एवं संतोषजनक रहा।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 4 अप्रैल, 2022 को हाइड्रोजन फैक्ट्री आगरा का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में मंत्रालय से **श्रीमती इंदिरा मूर्ति**, संयुक्त सचिव और **श्री मनोज आबूसरिया**, संयुक्त निदेशक (रा.भा) और मुख्यालय से **डॉ. के. के. सिंह**, वैज्ञानिक 'जी' और **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (रा.भा.) ने भाग लिया। निरीक्षण सफल एवं संतोषजनक रहा।

श्रीमती इंदिरा मूर्ति, श्रीमती सरिता जोशी, श्री मनोज आबूसरिया तथा डॉ. के. के. सिंह निरीक्षण के दौरान

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही बैठक (158वीं तिमाही बैठक) महानिदेशक महोदय की अनुमति से **डॉ. शिवदेव अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' की अध्यक्षता में दिनांक 29 जून, 2022 को आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्यालय के अधिकारी तथा उपकार्यालयों के प्रमुख/प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा दिनांक 29जून, 2022 को **सुश्री इंदिरा मूर्ति**, संयुक्त सचिव महोदया की अध्यक्षता में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में **डॉ. एस. डी. अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' / कार्यकारी महानिदेशक तथा **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (रा.भा.) ने भारत मौसम विज्ञान विभाग का प्रतिनिधित्व किया।

मौसम केंद्र - जयपुर द्वारा दिनांक 28 जून, 2022 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (रा.भा.) ने स्वागत भाषण दिया।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

मौसम (खंड 73, अंक 2), अप्रैल, 2022 अंक में बीस (20) शोध लेख प्रकाशित किए गए हैं।

श्रीदेवी, पी. सुनीता, के.के. सिंह, वी.आर. दुरई, डी. आर. पटनायक और ए. के. दास, 2022, "**पूरे भारत में जिला स्तर पर मानसून 2017 की भारी वर्षा की घटनाओं के लिए GFS T1534 के पूर्वानुमान कौशल का मूल्यांकन**", मौसम, 73, 2, 217- 228, https://doi.org/10.54302/mausam.v73i2.5473।

मुख्तार अहमद, बप्पा दास, सोनम लोटस और महबूब अली, 2022, "**जम्मू और कश्मीर, भारत में पश्चिमी विक्षोभ और वर्षा के रुझानों की आवृति पर एक अध्ययन: 1980-2019**", मौसम, 73, 2, 283-294, https://doi.org/10.54302/मौसम.v73i2.698.

प्रियंका सिंह और नरेश कुमार, 2022, "**पूर्वोत्तर भारत में वर्षा में प्रवृत्ति और अस्थायी परिवर्तनशीलता का विश्लेषण**", मौसम, 73, 2, 307-314, https://doi.org/10.54302/ mausam.v73i2.5479।

अशोक कुमार दास, बी.पी. यादव, चारू और ज्योत्सना ढींगरा, 2022, "**हाल के वर्षों के दौरान भारत में नदी उप-बेसिन पर मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान और इसके मूल्य संवर्धन के लिए डब्ल्यूआरएफ (एआरडब्ल्यू) और जीएफएस के प्रदर्शन का मूल्यांकन**", मौसम, 73, 2, 315-340, https://doi.org/10.54302/ mausam.v73i2.5480।

मोहम्मद सुहेल मीर, अनूप कुमार मिश्रा और कट्टुकोटा नागमणि, 2022, "**एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील पर भूमि उपयोग भूमि परिवर्तन और समाज और पर्यावरण पर उनका प्रभाव**", अरेबियन जर्नल ऑफ़ जियोसाइंसेस, 15, 4, 1-11, https:// doi.org/10.1007/s12517-022-10094-6।

सी.टी. सबीराली, ओ.पी. श्रीजीत, नचिकेता आचार्य, दिव्या ई. सुरेंद्रन और डी.एस. पई, "**हाइब्रिड स्टैटिस्टिकल/डाइनैमिकल मॉडल का इस्तेमाल करते हुए बंगाल की खाड़ी के ऊपर ट्रॉपिकल साइक्लोन की सीज़नल फोरकास्टिंग**", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लाइमेटोलॉजी, 1, 2, 1-14, https //doi.org/10.1002/joc.7651।

रॉबर्ट नील, गैलिना गुएंचेव, टी. अरुलालन, जे. ओने रॉबिंस, रिक क्रोकर, आशीष मित्रा और ए. जयकुमार, 2022, "**उच्च प्रभाव वाले मौसम के लिए संभाव्य मध्यम-श्रेणी के पूर्वानुमान उपकरणों के भीतर भारत में पूर्वनिर्धारित मौसम पैटर्न का अनुप्रयोग**" मौसम विज्ञान एप्लीकेशन, 29, 3, 1-22, https://doi.org/10.1002/met.2083।

राहुल श्रीधर, अवनीश वार्ष्णेय और एम. धन्या, "**ऑप्टिकल और एसएआर सेंटिनल इमेज के टाइम सीरीज़ विश्लेषण का उपयोग करते हुए गन्ने की फसल का वर्गीकरण: एक गहन शिक्षण दृष्टिकोण**", रिमोट सेंसिंग लेटर्स, 13, 8, 812-821, https://doi.org /10.1080/2150704X.2022.2088254.

श्यामा मोहंती, रघु नदीमपल्ली, सुधीर जोसेफ, अखिल श्रीवास्तव, आनंद के. दास, उमा सी. मोहंती और एस. सिल, "**उष्णकटिबंधीय चक्रवात की तीव्रता पर महासागर का प्रभाव एक उच्च रिज़ॉल्यूशन युग्मित वातावरण महासागर मॉडल का उपयोग करते हुए: बहुत गंभीर चक्रवात का केस अध्ययन उत्तरी हिंद महासागर के ऊपर तूफान ओखी**", रॉयल मौसम विज्ञान सोसाइटी का त्रैमासिक जर्नल, 2022, 1-17, https://doi.org/10.1002/qj.4303।

कलशेट्टी, एम., चट्टोपाध्याय, आर., हंट, के., आर. फनी एमआर, जोसेफ, एस., डीआर पटनायक और ए.के. सहाय, 2022, "**एडी ट्रांसपोर्ट, वेव-मीन फ्लो इंटरेक्शन, और एडी फोर्सिंग 2013 उत्तराखंड के दौरान एक्सट्रीम इवेंट इन द रीनलिसिस एंड एस2एस रेट्रोस्पेक्टिव फोरकास्ट डेटा**", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी, https://doi.org/10.1002/joc.7706।

डी. कुमार, ए. तिवारी, वी. अग्रवाल और के. श्रीवास्तव, 2022, "**वायुमंडलीय जल वाष्प संघनन की जांच और पीने योग्य पानी के रूप में विशेषता विश्लेषण**", पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2022, (https://doi. ओआरजी/10.1007/एस13762-022-04199-4)।

ब्रह्म प्रकाश यादव, एस.के. अशोक राजा, राहुल सक्सेना, हेमलता भरवानी, अशोक कुमार दास, राम कुमार गिरि, एस.के. माणिक और दीपक यादव, 2022, "**भारत के प्लूवियल फ्लैश फ्लड फोरकास्टिंग में हालिया प्रगति**", हाइड्रोलॉजिकल और पर्यावरण प्रणालियों में अभिनव रुझान, एलएनसीई, 234, 605–643 https://doi.org/10.1007/978-981-19-0304-5_44।

मीडिया इंटरेक्शन

श्री मनमोहन सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 30 अप्रैल, 2022 को दूरदर्शन जालंधर पर प्रसारित एक करंट अफेयर्स कार्यक्रम में "**हीट वेव एंड फूड सिक्योरिटी**" पर एक लाइव ऑनलाइन वार्ता में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 2 मई, 2022 को संसद टीवी पर प्राइम टाइम अंग्रेजी शो के दौरान "**हीट वेव्स एंड क्लाइमेट चेंज**" पर चर्चा में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 9 मई, 2022 को ऑल इंडिया रेडियो द्वारा "**मानसून की तैयारी, चक्रवात और हीट वेव**" पर रिकॉर्डिंग में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 19 मई, 2022 को संसद टीवी के विशेष प्राइम टाइम हिंदी शो की रिकॉर्डिंग में भाग लिया, जिसका विषय "**चरम मौसम की स्थिति और ग्लोबल वार्मिंग**" था।

डॉ. गीता अग्निहोत्री, वैज्ञानिक, 'ई' ने तिमाही के दौरान इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया द्वारा लगभग 135 मौसम संबंधी पूछताछ का जवाब दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 26 मई, 2022 को दूरदर्शन द्वारा "**दक्षिण-पश्चिम मानसून**" के बारे में आभासी चर्चा की रिकॉर्डिंग में भाग लिया।

"**प्रचलित मौसम और मानसून**" पर विशेष साक्षात्कार **श्री के. एस. होसालिकर**, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा मीडिया और स्टेक होल्डर्स को दिया गया ।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी और अध्यक्ष, साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF) ने 26 मई, 2022 को RIMES द्वारा आयोजित पॉडकास्ट रिकॉर्डिंग में श्री कर्मा डुफू, सह-अध्यक्ष, SAHF के साथ भाग लिया।

श्री तमल मुखर्जी, वरिष्ठ निर्माता, करंट अफेयर्स, कैन मीडियाकॉर्प, सिंगापुर ने 3 जून, 2022 को "हीट वेव, जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव" पर एक वृत्तचित्र के लिए **डॉ. मृत्युंजय महापात्र**, महानिदेशक, आईएमडी का एक संक्षिप्त साक्षात्कार शूट किया।

दक्षिण कोरिया के टीबीएस न्यूज स्टेशन के रिपोर्टर **श्री हायरयोन चुंग** ने 4 जून, 2022 को मानसून के संबंध में **डॉ. एम. महापात्रा**, डीजी, आईएमडी का साक्षात्कार लिया।

श्री मनमोहन सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 5 जून, 2022 को दूरदर्शन चंडीगढ़ पर '**विश्व पर्यावरण दिवस 2022**' के अवसर पर एक लाइव ऑनलाइन टॉक शो में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी 16 जून, 2022 को ब्लूमबर्ग टीवी के एंकर रिशाद सलामत और हस्लिंडा अमीन के साथ शो 'ब्लूमबर्ग मार्केट्स एशिया' के लिए लाइव साक्षात्कार में शामिल हुए।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी के साथ "**खुश हाल जीवन के लिए जरूरी है मौसम का पूर्वानुमान**" विषय पर एक विशेष साक्षात्कार सीएसआईआर जुलाई मासिक अंक में प्रकाशित हुआ था।

IMD ने YouTube, Facebook, Twitter और IMD वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी और हिंदी में लगभग 5 मिनट की अवधि का दैनिक मौसम पूर्वानुमान वीडियो जारी किया। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और आईएमडी ब्लॉग पेज सहित सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राफिक्स के साथ बुलेटिन और चेतावनियां भी भेजी गईं।

वेबसाइट और सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से हर गुरुवार को विस्तारित रेंज पूर्वानुमान पर साप्ताहिक वीडियो जारी किए गए। आईएमडी के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से क्षेत्रीय भाषाओं में पूर्वानुमान वीडियो जारी किए गए थे।

आगंतुक

श्री के. एस. कंदासामी, आईएएस, निदेशक, और श्री एम. एस. वैद्यनाथन, वाटरशेड प्रबंधन विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन, तमिलनाडु आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंसी ने 22 अप्रैल, 2022 को आईएमडी का दौरा किया ताकि प्रभावी प्रबंधन के लिए तमिलनाडु राज्य में स्वचालित मौसम स्टेशन और रडार स्थापित करने में आईएमडी से सहयोग मांगा जा सके। विभिन्न हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल आपदाओं की। टीम ने आईएमडी के विभिन्न तकनीकी प्रभागों का दौरा किया।

इस तिमाही के दौरान दिल्ली एनसीआर के छात्रों सहित लगभग 121 आगंतुकों ने केंद्रीय हाइड्रोमेट वेधशाला का दौरा किया।

दिल्ली एनसीआर से छात्र सेंट्रल हाइड्रोमेट ऑब्जर्वेटरी पहुंचे

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 14 जून, 2022 को दोनों संगठनों के बीच समन्वय में सुधार के लिए कमोडोर जी. रामबाबू, कमोडोर (नौसेना और मौसम विज्ञान), नौसेना समुद्र विज्ञान और मौसम विज्ञान निदेशालय, भारतीय नौसेना के साथ बैठक की।

एफएमआई अधिकारियों ने पर्यावरण निगरानी और पूर्वानुमान में परियोजना मोड सहयोग के लिए आईएमडी का दौरा किया।